

हाकि कृदि न्या ख च्छेदना ॥ जी नजा लामे चको वृद्धि यशसा ॥ १०० ॥
 वक्षाय माल शवा ॥ धन ख सुख दयु हि का या विधान शवा ॥ अ कथि का दान आदि न वणि
 याय दवरा पुत्र वय शवा ॥ हथु का कु द वस के हा हानि जा नथे मी रु न या वि वान यथा सवाल ना की या व ध थि ज
 मस नि ना व दान वि या व दवरा हा स्थि ना थि शवा ल का य । रु याल का या व द व स रु व न था य पा व पु का या य ल थि
 म ॥ वा व मि म द का य क जी य ना या य ॥ सानि ना र्ज शव ॥ ध को कु गु मा र ल मी न य रु स मा रु रु य ली रो ना य न य व म
 वि या या य नि द श या व मा द स वि व क रु वा ॥ थ थ वि म द रु य के य मो के या रु म द रु या य ॥ हं गु न म नी य के दान म ड रु य शवा ॥
हं रु न म नी य के दान म ड रु य शवा ॥

क. ५
व. ५
क. ५
म. ५

सुखं दयं श्रवणं सुकण्ठं वाया सांकि सुयुधान् द्वाका कां वं श्रवणं ॥
सुखं ॥ द्वाका सुकण्ठं ननानं द्वाका लिङ्ग लोकसद्वन
की वदुदृष्टा मनी किनिः। कृमः यदिवि वंशं वा
दिङ्ग युक्तं मांकि द्वाकं युता विधि ॥ ० ॥ लिखि
मृकृतं वदिवि ध्यायि धुविनि यवि की किता ॥ गामधु यापि दाकधु याजाधु वाव कादि जा ॥ वासीना समधरयना कारेया गदास्य विदमानया

सुखं दयं श्रवणं सुकण्ठं वाया सांकि सुयुधान् द्वाका कां वं श्रवणं ॥
सुखं ॥ द्वाका सुकण्ठं ननानं द्वाका लिङ्ग लोकसद्वन
की वदुदृष्टा मनी किनिः। कृमः यदिवि वंशं वा
दिङ्ग युक्तं मांकि द्वाकं युता विधि ॥ ० ॥ लिखि
मृकृतं वदिवि ध्यायि धुविनि यवि की किता ॥ गामधु यापि दाकधु याजाधु वाव कादि जा ॥ वासीना समधरयना कारेया गदास्य विदमानया

क. ५
व. ५

सुखं दयं श्रवणं सुकण्ठं वाया सांकि सुयुधान् द्वाका कां वं श्रवणं ॥
सुखं ॥ द्वाका सुकण्ठं ननानं द्वाका लिङ्ग लोकसद्वन
की वदुदृष्टा मनी किनिः। कृमः यदिवि वंशं वा
दिङ्ग युक्तं मांकि द्वाकं युता विधि ॥ ० ॥ लिखि
मृकृतं वदिवि ध्यायि धुविनि यवि की किता ॥ गामधु यापि दाकधु याजाधु वाव कादि जा ॥ वासीना समधरयना कारेया गदास्य विदमानया

सुखं दयं श्रवणं सुकण्ठं वाया सांकि सुयुधान् द्वाका कां वं श्रवणं ॥
सुखं ॥ द्वाका सुकण्ठं ननानं द्वाका लिङ्ग लोकसद्वन
की वदुदृष्टा मनी किनिः। कृमः यदिवि वंशं वा
दिङ्ग युक्तं मांकि द्वाकं युता विधि ॥ ० ॥ लिखि
मृकृतं वदिवि ध्यायि धुविनि यवि की किता ॥ गामधु यापि दाकधु याजाधु वाव कादि जा ॥ वासीना समधरयना कारेया गदास्य विदमानया

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

वमि
कुरु
नमः

निन रुका यायुहानं लि काययनिर्वधनया नया बुद्धार्ण उरुय वाफि न केना उरुय स वि नाना तथा वायु उरुय स यनया बुद्धार्ण उरुय
संयारया अरुयावन दसयामयापान धिनिथी यिन
रुशयु ॥ धर्म उदशान रुकायका सां लि काययनिर्व
रुय स अथि उरुया विवाय संयारया अरुयावन यिन
वति दवता स जियनि स आनमधिया अनियरु उनालव रुया ॥ धनधुनराव याययाय यडि निपुल रुना धधुनेदाव उरुयत

पतिव्रत कामादिकाम तदेकैकान्त
 विप्रसक्तं ॥ १ ॥ अथ देवदेवास्तु तानि च
 सायिमाया कामाया जायमाना वयोयु थवकालेन
 असुद्विषदवदनाय यथैव ॥ ॥ युवकेन वि
 शिष्यान् ॥ ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥

नारायणः ॥ ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥
 नारायणः ॥ ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥
 नारायणः ॥ ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥
 नारायणः ॥ ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥ अथ विद्वद्भ्यः ॥

...दिदीया निव अदि कन डिम वृ दे ना अमा इ वया दस्य विष्टि इत्थया कय मा यश्या ॥ ० ॥ इलया विया विया जम् अवि
...मा जयः सुत्वा गुणा मीध मडयान ॥ इलया इन वि यरु स्य स वृवा लाववो समुत्ता रय मान अरिमान यरुवद इलया इन थधिग
...इननं वीरि न ना माल श्या ॥ ॥ इ ॥ इवमत्थमसु स क्रिया विदि माथा दिन यद लुक्ता इ गाय जीने दिन पि धन लि ई
...ल सकाय दिनया ययदु धलाश न ई इ मलकाले न का इ वृ येन यद ग्य थय धन क्रिया या धन वाने कर्ण कोय ई
...विव सकवा वन मरुद वलया शो थ म इलया ल ई यदाव इव न का इ गाय या वि वि श्या ॥ ० ॥ इरुया गाय या वि वि
ASHA ARCHIVES 2902